Date: 14/10/25

MJC-5

Topic:→ Political sociology : Nature

(4) राजनीतिक विश्लेषण में एक नये मार्ग का द्योतक→ समाजशास्त्र के प्रादुर्भाव से पूर्व राजनीतिक संस्थाओं और गतिविधियों का अध्ययन एवं विश्लेषण वैधानिक ढाँचा के अंतर्गत ही किया जाता था परन्तु राजनीतिक समाजशास्त्र के प्रादुर्भाव से राजनीतिक संस्थाओं और गतिविधियों का अध्ययन को सामाजिक परिवेश से भी जोड़कर किया जाने लगा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को बल देता है।

(5) राजनीतिकशास्त्र और समाजशास्त्र के बीच कड़ी → यह दोनों विज्ञानों के बीच कड़ी का काम करता है। यह राज्य और समाज की अंतः क्रियाओं का अध्ययन कर एक-दूसरे को जोड़ता है।

(6) राजनीतिक समाजशास्त्र एक विज्ञान है — विज्ञान का सामान्य अर्थ सुव्यवस्थित ज्ञान है। जिसमें (i) आंकड़ों का संग्रह करने के लिए वैज्ञानिक विधि (ii) आंकड़ों का विश्लेषण (iii) तुलनात्मक अध्ययन (iv) अध्ययन के निश्चित मान्य एवं स्थापित पद्धति (v) सामान्य सिद्धान्तों का निरूपण (vi) किसी व्यवस्था या स्थिति के संबंध में भविष्यवाणी करने की क्षमता जैसे क्रमबद्ध चरणों को अपनाया जाता है। राजनीतिक समाजशास्त्र भी इन अध्ययन विधियों को अपनाता है।

(7) राजनीतिक समाजशास्त्र एक कला भी है → राजनीतिक समाजशास्त्र न केवल सामान्यीकरण द्वारा सिद्धान्तों का निरूपण करता है बल्कि सामान्यीकरण से प्राप्त निष्कर्षों एवं सिद्धान्तों को क्रियान्वित करने की कला या सीख भी देता है। यदि इनके सिद्धान्त को क्रियान्वित न किया जाए तो वह अनुपयोगी या महत्वहीन हो जाएगा। अतः यह एक विज्ञान भी है और कला भी।

PDF by
Dr. Nitish Vardhan
Sociology